

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: पक्षी जगत पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-16अ/१ विषय वस्तु- :- भोर और बरखा, उपविषय वस्तु :- अ) साहित्य बोध आ) सेवा इ) संगीतात्मकता पाठ्येतर विषय वस्तु *सूची निर्माण *विश्लेषण क्षमता *गेयता	विद्यार्थी :- अ) कृष्ण साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित हो सकेंगे । आ)पर्यावरणिक सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे । इ) कृष्ण भक्ति संबंधी भजन गा सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ)1.'मीरा बाई' के साहित्यिक योगदान एवं कृष्ण से अनन्य प्रेम से परिपूर्ण काव्य को व्याख्यायित कर सकेंगे । अ)2.कृष्ण साहित्य को जानकार अन्य कृष्ण भक्त कवियों की रचनाओं की गेयात्मक प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे । आ)पर्यावरण एवं मानवीय भावनाओं से गहनतम संबंध बनाकर वर्षा ऋतु पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे । इ)1.भजन गायन द्वारा भक्ति भाव और संगीतात्मकता विकसित कर सकेंगे । इ)2.भजन गायन और सामान्य गीत गाने के बीच अनुभव का अंतर बता सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- गायन प्रस्तुति से संबन्धित

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थी गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्टसंख्या :-16अ/१ काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-16अ/२ *अध्यापिका के निर्देशन में उचित यति गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । *अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे । *अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे। *क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-16अ /३ *अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-16अ /४	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-16आ/१ काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-16आ/२ विद्यार्थी उचित यति गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे। अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-16आ/३ अभ्यास हेतु दिये गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-16आ/४	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- प्रकृति ज्ञान, कर्तव्य बोध, पर्यावरण बोध , सामाजिक ज्ञान ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय की भोर का चित्रात्मक वर्णन करेंगे ।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

कक्षा -सात

परिशिष्टसंख्या:-16

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -16 आ/1

संभावित उत्तर

प्र.1- श्री कृष्ण की माता का नाम बताइए ।

यशोदा/देवकी

प्र.2- कृष्ण जी के धाम का वर्णन कीजिए ।

ब्रज धाम का वर्णन

प्र.3 ब्रज धाम की सुबह कैसी होती होगी ?

समस्यात्मक

कथन:- आइए इस “भोर और बरखा” को पढ़ कर जानते हैं - ब्रज धाम के भोर और बरखा विषय में।

2.कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -16अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए- 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -16अ/3

* अध्यापिका कक्षा के विद्यार्थियों को 10-10 के समूह में विभाजित करेंगी ।

* प्रत्येक समूह को कृष्ण भक्ति संबंधी एक-एक भजन लाने को कहेंगी।

*अध्यापिका प्रत्येक समूह को कृष्ण भक्ति संबंधी भजन लय और सुरताल के साथ गाने का अभ्यास करने में सहयोग करेंगी।

* अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

*अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर भजन प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

कार्यपत्र

पाठ : भोर और बरखा

गतिविधि : भजो रे मन

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

प्रश्न 1. गतिविधि से पूर्व मन के भाव :-

सकारात्मक

नकारात्मक

प्रश्न 2. भजन गायन और सामान्य गीत गाने के बीच अनुभव का अंतर और सीख:-

